Notification No : **547/2023**

Date of Award: **17-10-2023**

Name of Scholar : **Vijay Laxmi Rai**

Name of Supervisor : **Dr. Vivek Dubey**

Name OF Department/Center : **Hindi, Faculty of Humanities and Languages. JMI**

Topic of Research : **अज्ञेय के कथा साहित्य में उभरता नया मानव / AGYEYA KE KATHA SAHITYA MEN UBHARATA NAYA MANAV**

शोध - सार (Findings)

पांच बीज शब्द – मानववाद , नव मानववाद , कथा साहित्य , आधुनिकता बोध , व्यक्ति स्वातंत्र्य .

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’ की कहानियाँ व्यक्ति के माध्यम से व्यापक सत्य को पहचानने की कोशिश करती हैं इसलिए सर्वप्रथम शोध में मानवीय स्वरूप के स्पष्टीकरण के लिए मानव के विकास की अवधारणा का विस्तृत विवेचन किया गया। द्वितीय अध्याय में अज्ञेय के लेखन और चिंतन पर पड़ने वाले प्रभावों के क्रम में एम. एन. रॉय के ‘नव मानववाद’ की व्यापक समीक्षा की गई है। इसका प्रमुख कारण अज्ञेय द्वारा मानव और उसकी स्वतंत्रता को अपने चिंतन और सृजन के केंद्र में रखना रहा है। इसके द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि अज्ञेय के विचार, रॉय के मानव सम्बन्धी विचारों से काफी साम्यता रखते हैं। ‘नव मानववाद’ में मानव की बौद्धिक क्षमता, विवेक व सृजनात्मकता को सर्वोपरि माना गया है जिसकी प्रमुखता अज्ञेय के कथा साहित्य में भी परिलक्षित होती है।

इस शोध अध्ययन में अज्ञेय के तीनों उपन्यासों और उन कहानियों को लिया गया है जो अपनी चारित्रिक विशिष्टताओं से पात्रों को एक नवीन व आधुनिक रूप में प्रस्तुत करती हैं। अज्ञेय के साहित्य में सर्वप्रथम हमें ऐसे मानव की अभिव्यक्ति दिखाई देती है जो नए व पुराने मूल्यों के अंतर्द्वन्द्व से जूझ रहा है। यह पात्र समकालीन समाज और परिस्थितियों की देन हैं इसलिए यह व्यक्तिगत तथा वैचारिक रूप से परम्परागत पात्रों से भिन्न है। इनकी रचनाओं के अधिकतर पात्र समाज की जड़ मर्यादाओं के विरुद्ध रहते हैं। वह उन सीमाओं को चुनौती देते हैं जो उनके स्वतंत्र विकास में बाधक है। ये चरित्र पहले की अपेक्षा स्वतंत्र, सक्षम, तर्कपूर्ण, विद्रोही और अपनी मौलिक सोच के साथ एक नए आधुनिक मनुष्य के रूप

में उभरकर हम सबके समक्ष आते हैं। अज्ञेय ने बदलते समाज की संवेदना को पहचानते हुए उसे अभिव्यक्ति प्रदान करने का कार्य अपने कथा साहित्य द्वारा किया। इस शोध के माध्यम से वर्तमान मानव को समझने और उसकी समस्याओं का विश्लेषण करने में सहायता मिलेगी क्योंकि आधुनिक मनुष्य के लिए घटनाओं का उतना महत्व नहीं रह गया है जितना मानसिक संघर्ष का।